E-Learning Study Material

By- Prof (Dr.) YADWENDRA SINGH

Subject- Economics

MAHARAJA COLLEGE, ARA
VKS UNIVERSITY ARA BIHAR

B.A. Economics Hons Third Year

प्रश्न :- लेनिन द्वारा प्रतिपादित NEP या नई आर्थिक नीति (New Economic Policy) से आप क्या समझते हैं? इसके अनुपालन की शुरुआत रूस में कैसे हुई?

Scanned with CamScanner

"Lenin himself described the system introduced by the NEP as a "transitional mixed system" and to this mixed system as a whole he gave the name of State Capitalism: a term he had earlier used in the first part of 1918 to describe the economic policy of those months, when he had spoken of it as "an advance on the present state of affairs" and as "economically immeasurably superior" to the existing system. Its introduction within approximately six months time could be accounted a great success. By State Capitalism he meant Control by the State over small-commodity production and the existing form of it differed from other forms in the fact that the working class held political power and the soviet State held politically and economically the commanding height from which it could control the movements in the surrounding plain.1"

From— MAURICE DOBB

Bookname – Soviet Economic Development Since 1917

Scanned with CamScanner

रूसी अर्थव्यवस्था का ऐतिहासिक पुनरावलोकन के पश्चात हम पाते है कि 1921 के आसपास आते तक रूस की अर्थव्यवस्था युद्ध साम्यवाद के प्रभाव से प्रभावित हो गयी थी। साम्यवाद की अच्छी शुरुआत नहीं हुई थी और व्लादिमीर लेनिन अर्थव्यवस्था की खराब स्थिति से काफी चिंतित थे। उन्होंने जो खराब अर्थव्यवस्था पाई थी उसमें सुधार लाने के लिए बिल्कुल नयी नीति अपनायी जो पूर्व के सभी नीतिगत कार्यक्रमों से बिल्कुल अलग थी या यूँ कहे कि यह लेनिन की अपनी व्यक्तिगत सोच थी जिसे उन्होंने NEW ECONOMIC POLICY या NEP कहा।

NEP को राज्य में पूँजी लाने के लिए डिजाइन किया गया था जिसका उद्देश्य देश को आर्थिक रूप से समृद्ध बनाना था। 1917 में बोल्शेविक क्रान्ति के बाद लेनिन एवं उनकी पार्टी ने आपस में विचार किया कि रूस की अर्थव्यवस्था के लिए क्या उचित होगा जो इस समय सामाजिक चुनौतियों से पीड़ित था। क्रान्ति से पहले मूल रूप से केवल तीन वर्ग के लोग थे : किसान, नोबेल और रोमानोव, हलांकि पूर्व में कुछ सुधार किये गये थे फिर भी किसानों के साथ बुरा सलूक हुआ और रईसों ने इसका फायदा उठाया उसी समय प्रथम विश्वयुद्ध चालू था जिसने न रूस की अर्थव्यवस्था को नकारात्मक रूप से प्रभावित किया बल्कि रूसी समाज पर भी इसका गहरा प्रभाव पड़ा।

Scanned with CamScanner